चिंतन शिविर: आईआईएम में राज्य सरकार की सुशासन पाठशाला

साय कैबिनेट ने सीखा गुड गवर्नेंस से आगे जाने का मंत्र

सीएम साय बोले, पीएम मोदी के संकल्प के साथ भारत और छत्तीसगढ़ को भी विकसित बनाएंगे

छत्तीसगढ़ में हुआ अपनी तरह का देश का पहला अनूठा आयोजन

सुशासन व विकास को लेकर मंत्रियों ने विशेषज्ञों के साथ किया मंथन

विकसित छत्तीसगढ़ का रोडमैप तैयार करने पर हुआ विचार-विमर्श

नवभारत ब्यूरो। रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर ने दो दिन तक प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार के मंत्रियों को प्रबंधन की बारीकियां समझाने, सहयोग, नवाचार और दूरदर्शिता को बढ़ावा देने तथा विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों के विजन को तीक्ष्ण करने का पाठ पढ़ाया। शनिवार को समाप्त हुए इस चिंतन शिविर में गुड गवर्नेंस से बेस्ट गवर्नेंस की ओर बढ़ने और सुशासन की संकल्पना को मूर्त रूप देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संबंध में विषय-विशेषज्ञों से मंत्रियों ने विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री साय और उनकी कैबिनेट टीम ने विषय विशेषज्ञों के साथ अपने आइडियाज साझा किए और सवाल भी पूछे। देश में संभवतः पहली बार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने किसी चिंतन-शिविर में राजनीतिक रणनीति के बजाय दायित्वों के निर्वहन के लिए रणनीति पर गहन मंथन किया है।

राज्य सरकार की पहल पर आईआईएम ने कार्यक्रम को डिजाइन किया। इसे चिंतन-शिविर का नाम देकर एक बिलकुल नई परंपरा की शुरुआत की। इस आयोजन में राज्य सरकार ने देशभर के विषय विशेषज्ञों के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की डिजाइन तथा क्रियान्वयन के रोडमैप पर बौद्धिक विमर्श किया। साथ ही इस संबंध में भी विमर्श हुआ कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए किस तरह विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि चिंतन शिविर में दो दिनों तक अलग-अलग सत्रों में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। देशभर से विद्वानजनों ने अपने विचार रखे। विषय विशेषज्ञों के विचारों को हम लोगों ने भी सुना और समझा है। ये चिंतन शिविर विकसित छत्तीसगढ़ के हमारे विजन में बहुत कारगर साबित होगा। छत्तीसगढ़ में खनिज व वन संपदा का भंडार है। यहां की मिट्टी उर्वरा शक्ति से भरपूर है। सुशासन के माध्यम से हम हमारे प्रदेश को विकास की दृष्टि से बहुत आगे ले जा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प है, जिसमें छत्तीसगढ़ को भी हमें विकसित प्रदेश बनाना है।

कारगर साबित होगा चिंतन शिविर : साय

पूर्व सीईओ ने भी अनुभव साझा किए

नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी 20 के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सुंदरता भी है और प्रचुर खनिज संपदा भी। राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खनिजों का विवेकपूर्ण दोहन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण यहां पर पर्यटन की संभावनाओं का विकास और उसकी ब्रांडिंग भी है। शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव व विजय शर्मा, आदिमजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, वनमंत्री केदार कश्यप, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाडे, खेल मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद थे।

देश की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका : सुब्रमण्यम

इस सार्थक संवाद की खूबी यह रही कि इसमें छत्तीसगढ़ की जरूरतों, प्राथमिकताओं, संभावनाओं पर चर्चा के साथ-साथ विशेषज्ञों से महत्वपूर्ण सुझाव भी सरकार को प्राप्त हुए। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने आगामी 10 वर्षों में विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को एक नई ऊंचाई दी है। देश की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

Navbharat,02 June 2024,P.02